# 'सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत गुजरात में सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सहायता एवं उपयोगिता का अध्ययन'

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघु शोध प्रबंध**

2005-2006

शोधकर्ता :
**भूपेन्द्रसिंह मानाभाई सोलंकी**
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

**क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)**
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

2
-
5
:
2
0
0
6

# ''सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत गुजरात में सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सहायता एवं उपयोगिता का अध्ययन''

D - 223

बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय, भोपाल की
एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) उपाधि की
आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत

**लघु शोध प्रबंध**

2005-2006

विद्या ऽ मृतमश्नुते

एन.सी.ई.आर.टी.
N.C.E.R.T.


मार्गदर्शक :
**डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण**
प्रवाचक
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)

शोधकर्ता :
**भूपेन्द्रसिंह मानाभाई सोलंकी**
एम.एड. (छात्र)
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
भोपाल (म.प्र.)



**क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (N.C.E.R.T.)**
श्यामला हिल्स, भोपाल (म.प्र.)

# प्रमाण – पत्र

प्रमाणित किया जाता है कि **श्री भूपेन्द्र सोलंकी** क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान (एन.सी.ई. आर.टी.) भोपाल में एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) के नियमित छात्र हैं। इन्होंने बरकत उल्लाह विश्वविद्यालय भोपाल से शिक्षा में स्नातकोत्तर उपाधि करने हेतु प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध **"सर्व शिक्षा अभियान अंतर्गत गुजरात में सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सहायता एवं उपयोगिता का अध्ययन"** मेरे मार्गदर्शन में पूर्ण किया है। जो पूर्व में इस आशय से विश्वविद्यालय में प्रस्तुत नही किया गया है।

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, बरकतउल्लाह विश्वविद्यालय की एम.एड. (प्रारंभिक शिक्षा) 2005–06 उपाधि की आंशिक संपूर्ति हेतु प्रस्तुत है।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 3-6-06

निर्देशक

डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण
प्रवाचक शिक्षा विभाग
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
(N.C.E.R.T.)
भोपाल (म.प्र.)

# आभार–ज्ञापन

प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध ''सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत गुजरात में सेवाकालीन शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम की सहायता एवं उपयोगिता का अध्ययन'' की संपन्नता का संपूर्ण श्रेय मेरे मार्गदर्शक श्रद्धेय डॉ. यू. लक्ष्मीनारायण सर, (प्रवाचक शिक्षा विभाग) क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल को है। जिन्होंने निरंतर उचित परामर्श, पर्याप्त निर्देश तथा अनवरत् प्रोत्साहन देकर शोध कार्य पूर्ण करने में अमूल्य सहयोग प्रदान किया है। प्रस्तुत लघु शोध प्रबंध, आपके द्वारा शोध कार्य में धैर्यपूर्वक प्रदत्त आत्मीय व्यवहार एवं अविस्मरणीय वात्सल्य पूर्ण सहयोग का प्रतिफल है। जिन्होंने मुझे स्वयं के बहुमूल्य समय में से एक अध्यापक, अभिभावक तथा निर्देशक के रूप में पर्याप्त समय दिया है, अतएव मैं उनका ऋणी हूँ।

मैं आदरणीय प्रो. डॉ. एम. सेन गुप्त, प्राचार्य क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान, भोपाल तथा डॉ. व्ही. जी. जाधव अधिष्ठाता तथा डा. एस.के. गुप्ता विभागाध्यक्ष शिक्षा विभाग, क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान भोपाल के स्नेहपूर्ण व्यवहार, सहयोग तथा आशीर्वाद हेतु हृदय से आभारी हूँ, जिन्होंने मुझे शोधकार्य की संपन्नता में मौलिक सहयोग प्रदान किया है।

मैं डॉ. खेमराज शर्मा, डॉ. बी. रमेश बाबू, डॉ. इंद्रायणी भादरी, डॉ. रत्नमाला आर्या, डॉ. के. के. खरे, श्री संजय पंडागले, श्री आनंद बाल्मीकी सर, डॉ. सुनीती खरे एवं उन समस्त गुरूजनों का हृदय से आभारी हूं जिन्होंने समय समय पर उचित मार्गदर्शन करके, मेरे इस शोधकार्य में सहयोग दिया है।

मैं पुस्तकालय अध्यक्ष श्री पी.के. त्रिपाठी एवं पुस्तकालय के सभी कर्मचारियों का हृदय से आभारी हूं।

मैं प्रारंभिक विद्यालय के शिक्षकों का आभारी हूं। जिन्होंने प्रदत्तों के संकलन में अथक सहयोग दिया।

मैं अपनी माता आदरणी श्रीमती ललिता सोलंकी तथा पिता आदरणीय श्री मानाभाई सोलंकी कनिष्ठ भाई गिरिश सोलंकी तथा परिवार के शुभचिन्तकों का जीवन पर्यन्त चिरऋणी रहूंगा, जिन्होंने मेरे अध्ययन में महत्वकांक्षा की पूर्ति हेतु तन–मन–धन से सहयोग तथा अशीर्वाद दिया है।

मैं एम.एड. के मेरे मित्रों सुनील, शैलेष, रमेश, विराग, गुलाब, अतुल, संतोष तथा समस्त सहपाठियों का शोधकार्य के दौरान प्रत्यक्ष तथा अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग के लिए आभारी हूँ।

अंत में मैं, शोध कार्य से संदर्भित विविध चरणों में शोध कार्य में, जिन्होंने किसी न किसी रूप में सहयोग प्रदान किया है, उन सभी का सच्चे मन तथा हृदय से आभारी रहूंगा।

स्थान : भोपाल
दिनांक : 3/4/2006

भू.एम.सोलंकी

भूपेन्द्र सिंह मानाभाई सोलंकी
एम.एड. – प्रशिक्षणार्थी
क्षेत्रीय शिक्षा संस्थान
एन.सी.ई.आर.टी., भोपाल

# अनुक्रमणिका


पृष्ठ संख्या

**मुख पृष्ठ**

**प्रमाण पत्र**

**आभार ज्ञापन**

**प्रथम अध्याय : शोध परिचय** 1–9

1.1 प्रस्ताव

1.2 भारत में शिक्षक प्रशिक्षण का विकास

1.3 प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमिकरण

1.4 सबके लिए शिक्षा का घोषणा पत्र

1.5 सबके लिए शिक्षा के उद्देश्य और लक्ष्य

1.6 सबके लिए शिक्षा का राष्ट्रीय अभियान सर्व शिक्षा अभियान

1.7 सर्व शिक्षा अभियान के अंतर्गत गुजरात में क्रियान्वित सेवाकालीन प्रशिक्षण कार्यक्रम

1.8 समस्या कथन

1.9 शोध के चर

1.10 प्रस्तुत शोध अध्ययन की आवश्यकता

1.11 समस्या का सीमांकन

1.12 शोध के उद्देश्य

1.13 शोध कार्य की परिकल्पनाएं

**द्वितीय अध्याय – संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन** 10–18

2.1 प्रस्तावना

2.2. संबंधित साहित्य का पुनरावलोकन

2.3 संबंधित शोध कार्यों का पुनरावलोकन

**तृतीय अध्याय – शोध प्रविधि** 19–25

3.0 भूमिका

3.1 समस्या कथन

3.2 न्यादर्श का चयन

3.3 शोध के चर

3.4 लघु शोध संबंधी उपकरण

3.5 शोध उपकरणों का प्रशासन एवं फलांकन

3.6 प्रस्तुत लघुशोध उपकरण के अंकन की विधि

3.7 प्रदत्तों के संकलन में उत्पन्न कठिनाईयां

3.8 प्रयुक्त सांख्यिकी प्रविधियां

**चतुर्थ अध्याय – प्रदत्त विश्लेषण परिणाम एवं व्याख्या** 26–43

4.0 भूमिका

4.1 लिंग के परिप्रेक्ष्य में सहायता परिकल्पना का परीक्षण

4.2 लिंग के परिप्रेक्ष्य में उपयोगिका परिकल्पना का परीक्षण

4.3 व्यवसायिक योग्यता के परिप्रेक्ष्य में सहायता परिकल्पना का परीक्षण
4.4 व्यवसायिक योग्यता के परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता परिकल्पना का परीक्षण
4.5 अनुभव के परिप्रेक्ष्य में सहायता परिकल्पना का परीक्षण
4.6 अनुभव के परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता परिकल्पना का परीक्षण
4.7 कलस्टर के परिप्रेक्ष्य में सहायता परिकल्पना का परीक्षण
4.8 कलस्टर के परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता परिकल्पना का परीक्षण
4.9 क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में सहायता परिकल्पना का परीक्षण
4.10 क्षेत्र के परिप्रेक्ष्य में उपयोगिता परिकल्पना का परीक्षण

**पंचम अध्याय – निष्कर्ष, सुझाव एवं भावी शोध हेतु सुझाव** 44-49

5.0 भूमिका
5.1 संक्षेपिका
5.2 शोध का शीर्षक
5.3 शोध उद्देश्य
5.4 शून्य परिकल्पना
5.5 शोध के चर
5.6 चतुर्थ अध्याय में प्रदत्तों का विश्लेषण
5.7 निष्कर्ष एवं व्याख्या
5.8 सुझाव
5.9 भावी शोध हेतु सुझाव

**संदर्भ ग्रंथ सूची**

**परिशिष्ट**